प्रकाषनार्थ

पटना, 3 नवंबर। आद्री स्थित सेंटर फॉर हेल्थ पॉलिसी और राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में 'स्ट्रैंग्दनिंग डिजिज सर्विलांस एंड इपिडेमिक प्रीपेयर्डनेस इन बिहार' नामक एक कार्यशाला का आयोजन आज किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने जोर देकर कहा कि एक मजबूत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) वह आधार होगा जिस पर सभी स्वास्थ्य मुद्दों का समाधान भविष्य में निर्भर रहेगा। उन्होंने मानव संसाधन की कमी को बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं के समक्ष एक बड़ी बाधा बताया। 10-11 जिलों में महामारी विशेषज्ञ भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विभाग इस कमी को पूरा करेगा। एएनएम की पोस्टिंग नीति की भी समीक्षा करने की आवश्यकता है ताकि उनको उन जगहों पर नियुक्त किया जा सके जहां वह सहज महसूस करते हैं। उन्होंने राज्य की उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की डिजिटल स्वास्थ्य योजना देश में अपनी तरह की पहली योजना है।

आद्री के सदस्य-सचिव प्रोफेसर प्रभात पी. घोष ने स्वागत भाषण में कहा कि सीएचपी-आद्री ने बिहार में आईडीएसपी प्रणाली कैसे काम कर रही है, इसके विष्लेषण के लिए एक शोध कार्य किया है। इस कार्यशाला का उद्देश्य इस शोध कार्य के निष्कर्षों का प्रचार-प्रसार करना है। इसके अलावा शिक्षाविद अपने शोध निष्कर्षों को प्रकाशित करने के बाद भूल जाते हैं। यह कार्यशाला इस कमी को दूर करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सरकारी विभागों द्वारा निष्कर्षों का ठीक से उपयोग किया जाए।

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के अपर कार्यकारी निदेशक श्री केशवेंद्र कुमार ने कहा कि आईएचआईपी पोर्टल पर वास्तविक समय में मामलों की भौगोलिक स्थिति की सूचना मिलने के बाद किसी भी संचारी रोग के प्रकोप को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। राज्य स्वास्थ्य समिति के राज्य निगरानी अधिकारी डा. रंजीत कुमार ने कहा कि ब्रिटिश राज के दौरान शुरू होने के बाद देश में रोग निगरानी प्रणाली बहुत परिष्कृत हो गई है। डब्ल्यूएचओ (बिहार) के रिजनल टीम लीड डॉ. परेश कंथारिया ने खसरा जैसी बीमारियों की निगरानी में उत्कृष्ट बिहार राज्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि सर्विलांस के लिए रियल टाइम डाटा एंट्री बहुत जरूरी है। यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. एस.एस. रेड्डी ने बिहार को कोविड से निपटने वाले सफल राज्यों में से एक होने के लिए प्रशंसा की।

इससे पूर्व श्री प्रत्यय अमृत द्वारा 'आईडीएसपी इन बिहार' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राज्य के पांच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों- पूर्णिया, नालंदा, जहानाबाद, पूर्वी चंपारण और नालंदा को आईएचआईपी पोर्टल पर संकेतकों में अधिकतम सुधार के लिए सम्मानित किया गया।

अगले सत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों के महामारी विषेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। आईडीएसपी सेल के स्टेट माइक्रोबायोलॉजिस्ट श्री नवनीत कुमार ने किसी भी प्रकोप के दौरान प्रयोगशाला रिपोर्टिंग के गुणवत्ता आश्वासन पर चर्चा की। एनसीडीसी, नई दिल्ली के महामारी विषेषज्ञ सलाहकार डा. नीरज कुमार ने स्केलिंग-अप रणनीति और वर्तमान सरोकारों को विकसित करने पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सेन्टर फॉर हेल्थ पॉलिसी, आद्री के श्री अनूप कुमार भगत और श्री शुभम भट्टाचार्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

(अंजनी कुमार वर्मा)